



NEWSLETTER

शनिवार, 01 जुलाई 2023 | वॉल्यूम - 52

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE



"कपास के बॉलवर्म संकट से
पंजाब में चिंता, 4 हजार
हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र प्रभावित"

TOP 5
NEWS
OF THE
WEEK



GOLD : 58190
SILVER : 70010
CRUD OIL : 5807

पंजाब कॉटन एन्ड जिनेर एसोसिएशन के
पूर्व अध्यक्ष भगवान बंसल जी की
एसआईएस से खास बातचीत ।



भगवान बंसल
कॉटन जिनेर एन्ड ट्रेडर,
एस एस कोटजीन
मुक्तसर, पंजाब

भगवान जी का परिवार 1962 से इस व्यवसाय में जुड़ा है और इस इंडस्ट्रीज में आये उन्हें 40 साल हो गए है अब भगवान जी अपने बेटे शशांक के साथ मिलकर जिनिंग फैक्टरी चलाते है और इसके साथ ट्रेडिंग भी करते है. उनके जिनिंग फैक्टरी का कॉटन महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, हरयाणा आदि राज्यों की मिलो को सप्लाय होता है। पुरे भारत देश में सीजन 22 -23 में 2 करोड़ 80 लाख से 82 लाख तक की आवक आ चुकी है सीजन खतम होने तक 3 करोड़ 50 लाख तक आ सकती है ये अनुमान है। किसानो के पास अभी कपास स्टॉक में है। पर किसान उसको बेचना नहीं चाहते किसानो को चाहिए वो कीमत न मिलने पर वो बेच नहीं रहे। किसानो को तेजी मंदी के चक्कर में नहीं आना चाहिए तथा बाजार से सतर्क रहना चाहिए। अपने देश का धागा चीन में निर्यात होता है कपडा बनकर अपने देश में बिकने आता है इसलिए अपने देश में मिलो की हालत गंभीर दिख रही है इस पर ध्यान देना चाहिए।

पंजाब में गुलाबी कीड़े का पूछने पे बताया की कीड़े का अटैक पंजाब के कुछ क्षेत्रों में ही है और आगे अटैक न बढे इसलिए सरकार काम कर रही है। इस साल 1.75 लाख हेक्टर पर कपास की बिजाई की गई है यदि इस साल क्रॉप कामयाब हो गई तो अगले साल सरकार के अनुसार कपास की बिजाई बढकर 4 लाख हेक्टर तक पहुंचेगी। इस साल पंजाब सरकार नकली सीड, नकली खाद बेचने पर भी अंकुश लगा रही है और छोटे छोटे कैप लगाकर कृषि अधिकारी किसानो को कपास की खेती के लिए शिक्षित कर रही है जिससे किसानो को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो।



सुझाव

पंजाब में अंतराष्ट्रीय मानक का कॉटन रिसर्च सेंटर होना चाहिए।

पंजाब में कॉटन रीसर्च सेंटर की आवश्यकता है जिसमें वैश्विक मानक भौतिक व प्राकृतिक वैज्ञानिक हो और कृषि संबधित विशेषज्ञ ज्ञान रखते हो जो किसानो खेती तथा कृषि के लिए ट्रेनिंग दे जिसमे किसानो को एक विद्यार्थी की तरह कक्षा में 100 से 200 किसानो के ग्रुप बनाकर कृषि विषय में शिक्षित किया जाये। आगे बताया की अगर देश का किसान शिक्षित होगा तो बहुत सारी परेशानी कम हो जाएगी। कृषि विभाग व भारत सरकार को इस बारे में जरूर सोचना चाहिए तभी हम बाकि सब देशो की तुलना में अपने देश को आगे ला पाएंगे। भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। चीन की फसल औसत 5.25 करोड़ और भारत की फसल 3.50 औसत है।

वन नेशन वन मंडी शुक्ल होना चाहिए।

इसके लिए उन्होने बताया हर राज्य में मंडी शुक्ल अलग होता है ये हटाकर मंडी शुक्ल हर राज्य के लिए एक जैसा होना चाहिए। आखिरकार 29 जून को मप्र में मंडी टैक्स 1% कम होकर पड़ोसी राज्य की तरह 1.5% से 0.5% हो गया...मप्र के सभी जिनेर्स समुदाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि।

कॉटन सलाहकारों के सुझावो से कॉटन संकट को काबू में ला सकते हैं।

बीज से लेकर कपड़े तक भारतीय सूती वस्त्र उद्योग को बढावा देने के लिए कपास विकास बोर्ड की आवश्यकता है। यदि यह बोर्ड बन जाता है तो भारतीय को 4 करोड़ से अधिक उत्पादन मिल सकता है। कुछ लोगो की कमिटी बनाकर इस विकास कार्य पर अमल करना चाहिए। कॉटन के संकट को कंट्रोल करने के लिए जिस राज्य में कॉटन ज्यादा पाया जाता है उस राज्यों के जिनेर, स्पिनेर और एक्सपोर्टर को सलाह सूचन करना चाहिए। पाँच निर्यातक मुंबई से अतुल गणाला जी, अरुण सेखसरिया जी, धीरज खेतान जी, धीरेन गलियाकोट जी, अक्षिता कॉटन, अहमदाबाद से चिराग जी। पाँच स्पिनेर वर्धमान, नाहर, के पि आर, अरविन्द और प्रतिभा मिल्स और पाँच जिनेर मनजीत कॉटन मध्यप्रदेश, सी बी गोयल राजस्थान, ग्लाँसी राजकोट, दिलीप भाई पटेल कड़ी और मनोज जी हिंगणघाट महाराष्ट्र। 6 महीने के सीजन में हर दो महीनो में मीटिंग कर के कॉटन बाजार में आ रहे परिवर्तन को समझाना चाहिए।



The Solvent Extractors'
Association Of India



N. K. Proteins Pvt. Ltd.



All India Cotton Seed Crushers
Association

PRESENTS

SEA-AICOSCA COTTONSEED, OIL & MEAL CONCLAVE

7th 8th
July, 2023

The Fern Residency, Aurangabad
Maharashtra, India

Contact

| | |
|---|---|
| <p>Dr B V Mehta, Executive Director, THE SOLVENT EXTRACTORS' ASSOCIATION OF INDIA 142, Jolly Maker Chambers No. 2, 14th Floor 225, Nariman Point, Mumbai -400021. Tel- +91 22 22822979/ 2011475/ 35131729/ 35131730, Email- seaofindia1963@gmail.com</p> | <p>Mr. A.K. Chowdhury Secretary, ALL INDIA COTTONSEED CRUSHERS' ASSOCIATION (AICOSCA) Khetan Bhavan, 6th Floor, 198, J.Tata Road, Churchgate, Mumbai-400 020. Tel.: 22821935/62, M. +91-9833922510 Email: aicosca1@gmail.com/ info@aicosca.com</p> |
|---|---|

Corn Planted Acreage Up 6 Percent from 2022
Soybean Acreage Down 5 Percent
All Wheat Acreage Up 9 Percent
All Cotton Acreage Down 19 Percent

अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की वार्षिक एकड़ रिपोर्ट

कपास का संपूर्ण रकबा 19 प्रतिशत कम हुआ

कपास: उत्पादकों ने 2023 में 11.1 मिलियन एकड़ में बुआई की, जो पिछले साल से 19 प्रतिशत कम है। अपलैंड क्षेत्र का अनुमान 11.0 मिलियन एकड़ है, जो 2022 से 19 प्रतिशत कम है। अमेरिकी पीमा क्षेत्र का अनुमान 109,000 एकड़ है, जो 2022 से 40 प्रतिशत कम है।

पिछले वर्ष की तुलना में, 17 प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में से 16 में अपलैंड रोपण क्षेत्र में कमी आई है। सबसे बड़ी कमी टेक्सास में हुई है, जहां अपलैंड की बुआई का रकबा पिछले साल से 1.75 मिलियन एकड़ कम हो गया है। टेक्सास के अलावा, तीन राज्यों अर्कांसस, मिसिसिपी और ओक्लाहोमा में भी पिछले साल की तुलना में 100,000 एकड़ या उससे अधिक की कमी देखी जा रही है।

राष्ट्रव्यापी, कपास की 89 प्रतिशत फसल 18 जून तक बोई गई थी, जो पिछले वर्ष से छह प्रतिशत अंक पीछे और 5 साल के औसत से 5 प्रतिशत अंक पीछे है। देश का उन्नीस प्रतिशत कपास का रकबा 18 जून तक चुकता स्तर पर पहुंच गया था, जो पिछले वर्ष और 5-वर्षीय औसत दोनों से दो प्रतिशत अंक पीछे था। 18 जून को, 2023 कपास के रकबे का 47 प्रतिशत अच्छी से उत्कृष्ट स्थिति में आंका गया था, जो पिछले सप्ताह से 2 प्रतिशत अंक कम था, लेकिन पिछले वर्ष से 7 प्रतिशत अंक अधिक था।

काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

| SMART INFO SERVICES | | | |
|---------------------------------|----------|----------|---------------|
| CALL : 91119 77771 - 5 | | | |
| WEEKLY CHART 01.07.2023 | | | |
| ICE COTTON | | | |
| MONTH | 23.06.23 | 30.06.23 | WEEKLY CHANGE |
| JULY | 78.06 | 82.84 | 4.78 |
| DEC | 78.67 | 80.37 | 1.7 |
| MARCH | 78.88 | 80.25 | 1.37 |
| MCX (COTTON) | | | |
| JUNE | 55400 | 55400 | 0 |
| AUG | 57120 | 57260 | 140 |
| NCDEX (KAPAS) | | | |
| APRIL | 1488 | 1497 | 9 |
| NCDEX (COCUD KHAL) | | | |
| JULY | 2522 | 2518 | -4 |
| AUG | 2557 | 2543 | -14 |
| CURRENCY (\$) | | | |
| INDIAN (Rupee) | 82.04 | 82.04 | 0 |
| PAK (Pakistani Rupee) | 286.498 | 286.495 | -0.003 |
| CNY (Chinese yuan) | 7.17985 | 7.25355 | 0.0737 |
| BRAZIL (Real) | 4.78306 | 4.78973 | 0.00667 |
| AUSTRALIAN Dollar | 1.49706 | 1.50091 | 0.00385 |
| MALAYSIAN RINGGITS | 4.67646 | 4.66747 | -0.00899 |
| COTLOOK "A" INDEX | | | |
| COTLOOK "A" INDEX | 91.7 | 88.9 | -2.8 |
| BRAZIL COTTON INDEX | | | |
| BRAZIL COTTON INDEX | 79.92 | 74.85 | -5.07 |
| USDA SPOT RATE | | | |
| USDA SPOT RATE | 74.37 | 76.12 | 1.75 |
| MCX SPOT RATE | | | |
| MCX SPOT RATE | 56780 | 55660 | -1120 |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | | | |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | 18700 | 17500 | -1200 |
| GOLD (\$) | | | |
| GOLD (\$) | 1930.30 | 1927.8 | -2.5 |
| SILVER (\$) | | | |
| SILVER (\$) | 22.457 | 22.755 | 0.298 |
| CRUDE (\$) | | | |
| CRUDE (\$) | 69.5 | 70.45 | 0.95 |

जून माह के अंतिम सप्ताह में काँटन के इंटरनेशनल मार्केट में उछाल नजर आया। इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के जुलाई 23, दिसंबर 23 और मार्च 24 माह के लिए काँटन के भाव 4.78, 1.70 और 1.37 सेंट तक बढ़े हैं।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में स्थिरता देखी गई। जुलाई माह के सौदा भाव में 140 रूपए प्रति कैंडी बढ़ कर 55,400 रूपए पहुंचे। एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस बार 9 रूपए प्रति 20 किलो तक की गिरावट देखी गई वही खल के भाव में जुलाई और अगस्त माह के लिए क्रमशः 4 और 14 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स पर 2.80 अंक की गिरावट आयी, ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 5.07 की गिरावट वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 1,120 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 1.75 की बढ़त देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहांत तक 1,200 रूपए तक भाव गिरे।

"कपास के बॉलवर्म संकट से पंजाब में चिंता,

4 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र प्रभावित"



पंजाब कृषि विभाग के एक विस्तृत क्षेत्र सर्वेक्षण में कहा गया है कि विभिन्न जिलों में कपास के कुल क्षेत्रफल के 2% में कपास की शुरुआती बुआई से इस वर्ष 1.75 लाख हेक्टेयर के अनंतिम रकबे पर घातक गुलाबी बॉलवर्म के संक्रमण का खतरा पैदा हो रहा है।

विशेषज्ञों ने कहा कि इस साल गर्मियों की शुरुआत के साथ असामयिक बारिश ने कीट के लिए उपयुक्त प्रजनन और भोजन भूमि प्रदान की।

अगले तीन सप्ताह किसानों के लिए कीटों की आबादी का पता लगाने और किसी भी व्यापक संक्रमण की जांच के लिए अनुशंसित कदमों का उपयोग करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। पीबीडब्ल्यू सीमित स्थानों पर सामने आया है, लेकिन यह तेजी से फैल सकता है और संभावित रूप से अन्य क्षेत्रों में फसल को खतरे में डाल सकता है, क्योंकि कीट नियंत्रण प्रबंधन प्रभावी ढंग से निष्पादित नहीं किया जाता है, वे कहते हैं।

कृषि अधिकारियों ने कहा कि इस साल, पंजाब के कमजोर क्षेत्रों के किसानों के एक वर्ग ने 15 अप्रैल से 15 मई के अनुशंसित बुवाई समय से काफी पहले, 28 मार्च से ही 'सफेद सोना' बोना शुरू कर दिया था। यह कीट जुलाई के मध्य में फूल आने की अवस्था में कपास के पौधों पर हमला करता है और पीबीडब्ल्यू पहले ही दिखाई देने लगता है जिससे अन्य खेतों में संक्रमण का खतरा पैदा हो जाता है।

राज्य के कृषि निदेशक गुरविंदर सिंह, जिन्होंने इस सप्ताह कपास उगाने वाले जिलों का व्यापक दौरा किया, ने कहा कि वर्तमान स्थिति चिंताजनक नहीं है और किसानों को कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसित स्प्रे का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

निदेशक ने कहा कि पिछले सीजन के विपरीत, इस साल सफेद मक्खी का पता नहीं चला है और कपास उत्पादकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

क्षेत्र सर्वेक्षण से पौधों के प्रभावशाली स्वास्थ्य का पता चला। "2022 में, अधिकांश पौधों का विकास रुक गया था, लेकिन इस बार किसान फसल को पर्याप्त पोषक तत्व प्रदान करने के लिए एक सलाह का पालन कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति कीटों के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में मदद कर सकती है," उन्होंने कहा।

पीबीडब्ल्यू की पहली उपस्थिति देखी। अगले वर्ष, इस कीट ने अन्य जिलों को गंभीर रूप से प्रभावित किया और 2022 में, सफेद मक्खी और पीबीडब्ल्यू ने पंजाब में कपास उत्पादन को तबाह कर दिया।

मौजूदा खरीफ सीजन में, पंजाब में पारंपरिक फसल का रकबा घटकर 1.75 लाख हेक्टेयर रह गया है और कीटों के हमले के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है, जो अब तक की सबसे कम रकबा के लिए ज़िम्मेदार है।

लुधियाना स्थित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) के प्रधान कीट विज्ञानी विजय कुमार ने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में नकदी फसल की शुरुआती बुआई पहली बार देखी गई है और यह कीटों के हमले के लिए चिंता का कारण है। उन्होंने कहा, "जल्दी बुआई अप्रैल के बाद से लंबे समय तक गीली और आर्द्र परिस्थितियों के साथ हुई और जब कपास के पौधे फूल के चरण में पहुंच गए।"

विशेषज्ञ ने कहा कि बॉलवर्म केवल उन खेतों को प्रभावित कर रहा है जहां से पिछले साल के अवशेषों को सलाह के अनुसार साफ नहीं किया गया था और अन्य क्षेत्रों को कीट संक्रमण के प्रति संवेदनशील बना रहा है।

"बॉलवॉर्म एक घातक कीट है जो बुआई के 65-70 दिनों के बाद कपास के पौधे में फूल आने की अवस्था में दिखाई देता है। यह मोनोफैगस है या केवल कपास के पौधों पर फीड करता है और फूल के चरण में पौधे को प्रभावित करता है। अब किसानों को जुलाई के मध्य तक कीटों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, जब समय पर बोए गए पौधे फूल चरण में प्रवेश करेंगे," विशेषज्ञ ने कहा।

सिरसा स्थित केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर) के प्रमुख एसके वर्मा ने कहा कि बुआई में एकरूपता प्रभावी कीट प्रबंधन में मदद करती है और किसानों को बुआई के लिए अनुशंसित समय का सख्ती से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा, "खेतों में नर कीटों को पकड़ने वाले फेरोमोन ट्रैप से बॉलवर्म संक्रमण की आसानी से पहचान की जा सकती है और इस संबंध में पंजाब के किसानों को एक सलाह जारी की गई है।"

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

- कृषि मंत्री ने कहा, पंजाब ने 17 हजार किसानों को ₹3.23 करोड़ कपास बीज सब्सिडी हस्तांतरित की**
 मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां ने बताया कि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) द्वारा प्रमाणित कपास के बीज पर 33% सब्सिडी प्रदान करने के राज्य सरकार के वादे को पूरा करते हुए, विभाग ने डीबीटी प्रणाली के माध्यम से धन हस्तांतरित कर दिया है।
- पंजाब : कपास उत्पादकों के लिए बारिश की समस्या, धान किसानों को राहत की उम्मीद**
 कल रात रामसरा माइनर (उपनहर) में दरार आने से क्षेत्र में बाढ़ आ गई। भागू और वहाबवाला गांव के बीच करीब 50 एकड़ में कपास की फसल जलमग्न हो गई।
- चीन आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण भंडार से कपास बेचने की तैयारी कर रहा है।**
 मामले से परिचित लोगों ने कहा कि चीन आपूर्ति बढ़ाने के लिए राज्य के भंडार से कपास जारी करने की योजना बना रहा है, इस चिंता को रेखांकित करते हुए कि इस साल के अंत में काटी जाने वाली फसल खराब मौसम के कारण प्रभावित हुई है।
- कपास बेचने के लिए ई-नाम सुविधा का विकल्प चुनें, कृषि विभाग के अधिकारियों ने तमिलनाडु के किसानों को बताया**
 रामनाथपुरम: चूंकि कपास की कीमत में गिरावट आई है, कृषि विभाग के अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि किसान बेहतर लाभ के लिए ई-एनएएम सुविधा के माध्यम से अपनी उपज बेचें।
- BIS की आड़ में 15 रुपये कीमत बढ़ोतरी के बाद नई मुसीबत ! विदेशी यार्न कंपनियां BIS पंजीकृत नहीं, 3 तारीख से आयात बंद**
 3जुलाई से यार्न पर BIS मार्क अनिवार्य किया जा रहा है और यार्न की कीमत में फिर से बढ़ोतरी की संभावना है, जिसके कारण कीमत बढ़ने की अफवाहें हैं। विभिन्न संगठनों द्वारा यह भी कहा गया कि यार्न को BIS के दायरे में लाने से पहले तैयारी आवश्यक थी।

कॉटन फिजिकल मार्केट जून माह के अंतिम सप्ताह स्थिर रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए स्थिरता वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में कहीं गिरावट तो कहीं बढ़त देखी गई। नार्थ झोन पंजाब, हरयाणा और राजस्थान में स्थिरता दिखी।

वही सेंट्रल झोन के मध्यप्रदेश राज्य में सबसे ज्यादा 800 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली। जबकि गुजरात स्थिर और मध्य महाराष्ट्र में 500 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम बढ़े हैं।

साउथ झोन में कहीं बढ़त तो कहीं गिरावट का रुख दिखा। सबसे ज्यादा आंध्रप्रदेश और ओडिशा में क्रमशः 2,000 और 1,200 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट आई है जबकि कर्नाटक और तेलंगाना 500 से 800 रूपए प्रति कैंडी तक कॉटन के दाम बढ़े।

| SMART INFO SERVICES | | | | | | |
|--|---------------|----------|--------|----------|--------|---------------|
| india.smartinfo@gmail.com | | | | | | |
| Call : 91119 77771 - 5 | | | | | | |
| DATE: 01.07.2023 | | | | | | |
| WEEKLY COTTON BALES MARKET | | | | | | |
| STATE | STAPLE LENGTH | 26.06.23 | | 01.07.23 | | AVERAGE PRICE |
| | | LOW | HIGH | LOW | HIGH | |
| NORTH ZONE | | | | | | |
| PUNJAB | 28.5 | 5,800 | 5,900 | 5,800 | 5,900 | 0 |
| HARYANA | 27.5/28 | 5,550 | 5,650 | 5,550 | 5,650 | 0 |
| UPER RAJASTHAN | 28 | 5,900 | 6,000 | 5,900 | 6,000 | 0 |
| CENTRAL ZONE | | | | | | |
| GUJARAT | 29 | 55,500 | 56,000 | 55,400 | 56,000 | 0 |
| MADHYA PRADESH | 29 | 54,500 | 55,000 | 55,300 | 55,800 | 800 |
| MAHARASHTRA | 29 vid. | 54,500 | 55,500 | 55,000 | 56,000 | 500 |
| SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 | | | | | | |
| SOUTH ZONE | | | | | | |
| ODISHA | 29.5 | 58,200 | 59,300 | 58,000 | 58,100 | -1,200 |
| KARNATAKA | 29.5/30 mm | 55,000 | 55,500 | 55,000 | 56,000 | 500 |
| ANDHRA PRADESH | 29/29.5 mm | 57,000 | 58,000 | 56,000 | 56,000 | -2,000 |
| TELANGANA | 29 mm 75 RD | 54,800 | 55,200 | 55,800 | 56,000 | 800 |
| NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality. | | | | | | |
| Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy | | | | | | |



NEWSLETTER

Saturday, 01 July 2023 | Volume - 52



"Cotton bollworm menace worries Punjab, more than 4,000 hectares affected"

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



**GOLD : 58190
SILVER : 70010
CRUD OIL : 5807**

Special conversation of Bhagwan Bansal ji, former president of Punjab Cotton and Ginner Association with SIS.



**Bhagwan Bansal
Cotton Ginner And
Trader, S S Cotgin
Muktsar (Punjab)**

Bhagwan ji's family is associated with this business since 1962 and it has been 40 years since he came to this industry. Now Bhagwan ji and his son Shashank run Ginning Factory and trade with it. The cotton of his ginning factory is supplied to mills in the states of Maharashtra, Gujarat, Punjab, Haryana etc. 2 crore 80 lakh to 82 lakh arrivals have come in the entire country of India in season 22-23, it is estimated that it may come up to 3 crore 50 lakh by the end of the season. Farmers still have cotton in stock. But the farmers do not want to sell it, the farmers want it, but they are not selling it if they do not get the price. Farmers should not get caught in the cycle of recession and should be alert from the market. The thread of our country is exported to China, it comes to be sold in our country after being made into cloth, that's why the condition of Milo in our country is looking serious, attention should be paid to this.

On being asked about pink worm in Punjab, it was told that the attack of the worm is only in some areas of Punjab and the government is working to prevent further attacks. This year, cotton has been sown on 1.75 lakh hectare. If the crop is successful this year, according to the government, cotton sowing will increase to 4 lakh hectare next year. This year, the Punjab government is also curbing the sale of spurious seeds, fertilisers, and by setting up small camps, the agriculture officers are educating the farmers for cotton cultivation so that the farmers get maximum benefit.



SUGGESTION

There should be a cotton research center of international standard in Punjab.

There is a need for a Cotton Research Center in Punjab, which has global standard physical and natural scientists and has expert knowledge related to agriculture, who can train farmers for farming and agriculture, in which farmers can be taught agricultural subjects by forming groups of 100 to 200 farmers in the classroom like a student. It was further told that if the farmer of the country is educated then many problems will be reduced. The Agriculture Department and the Government of India must think about this, only then we will be able to bring our country forward in comparison to other countries. India is the second largest producer country in the world after China. China's crop averages 5.25 crore and India's crop averages 3.50.

There should be One Nation One Mandi Shukla.

For this, he told that market Shukla is different in every state, removing this, Mandi Shukla should be same for every state. Finally on 29th June mandi tax in MP reduced by 1% to 0.5% from 1.5% same as neighboring state...a big achievement for all ginner community of MP.

The cotton crisis can be brought under control with the help of cotton advisors.

Cotton Development Board is needed to promote Indian cotton textile industry from seed to fabric. If this board becomes then Indian can get more than 4 crore production. This development work should be implemented by forming a committee of some people. In order to control the crisis of cotton, the ginner, spinner and exporters of the states where cotton is found in excess should be informed. Five exporters Atul Ganatra from Mumbai, Arun Sekharia, Dheeraj Khaitan, Dhiren Galiakot, Akshita Cotton, Chirag from Ahmedabad. Five spinners Vardhman, Nahar, KPR, Arvind and Pratibha Mills and five spinners Manjeet Cotton Madhya Pradesh, CB Goyal Rajasthan, Glossy Rajkot, Dilip Bhai Patel Kadi and Manoj Ji Hinganghat Maharashtra. During the 6-month season, meetings should be held every two months to explain the changes in the cotton market.



The Solvent Extractors'
Association Of India



N. K. Proteins Pvt. Ltd.



All India Cotton Seed Crushers
Association

PRESENTS

SEA-AICOSCA COTTONSEED, OIL & MEAL CONCLAVE

7th

8th

July, 2023

The Fern Residency, Aurangabad

Maharashtra, India

Contact

| | |
|--|--|
| <p>Dr B V Mehta, Executive Director, THE SOLVENT EXTRACTORS' ASSOCIATION OF INDIA 142, Jolly Maker Chambers No. 2, 14th Floor 225, Nariman Point, Mumbai -400021. Tel- +91 22 22822979/ 2011475/ 35131729/ 35131730, Email- seaofindia1963@gmail.com</p> | <p>Mr. A.K. Chowdhury Secretary, ALL INDIA COTTONSEED CRUSHERS' ASSOCIATION (AICOSCA) Khetan Bhavan, 6th Floor, 198, J.Tata Road, Churchgate, Mumbai-400 020. Tel.: 22821935/62, M. +91-9833922510 Email: aicosca1@gmail.com/ info@aicosca.com</p> |
|--|--|

Corn Planted Acreage Up 6 Percent from 2022
Soybean Acreage Down 5 Percent
All Wheat Acreage Up 9 Percent
All Cotton Acreage Down 19 Percent

U.S. Department of Agriculture's (USDA) annual acreage report

All Cotton Acreage Down 19 Percent

Cotton: Growers planted 11.1 million acres in 2023, down 19 percent from last year. Upland area is estimated at 11.0 million acres, down 19 percent from 2022. American Pima area is estimated at 109,000 acres, down 40 percent from 2022.

Compared with last year, Upland planted area decreased in 16 of the 17 major cotton-producing States. The largest decrease is in Texas, where Upland planted acreage decreased by 1.75 million acres from last year. In addition to Texas, the three States of Arkansas, Mississippi, and Oklahoma are also showing a decrease of 100,000 acres or more compared with last year.

Nationwide, 89 percent of the cotton crop was planted by June 18, six percentage points behind the previous year and 5 percentage points behind the 5-year average. Nineteen percent of the Nation's cotton acreage had reached the squaring stage by June 18, two percentage points behind both last year and the 5-year average. On June 18, 47 percent of the 2023 cotton acreage was rated in good to excellent condition, 2 percentage points below the previous week but 7 percentage points above the previous year.

A look at the weekly movement of the cotton market

| SMART INFO SERVICES | | | |
|--------------------------|----------|----------|---------------|
| CALL : 91119 77771 - 5 | | | |
| WEEKLY CHART 01.07.2023 | | | |
| ICE COTTON | | | |
| MONTH | 23.06.23 | 30.06.23 | WEEKLY CHANGE |
| JULY | 78.06 | 82.84 | 4.78 |
| DEC | 78.67 | 80.37 | 1.7 |
| MARCH | 78.88 | 80.25 | 1.37 |
| MCX (COTTON) | | | |
| JUNE | 55400 | 55400 | 0 |
| AUG | 57120 | 57260 | 140 |
| NCDEX (KAPAS) | | | |
| APRIL | 1488 | 1497 | 9 |
| NCDEX (COCUD KHAL) | | | |
| JULY | 2522 | 2518 | -4 |
| AUG | 2557 | 2543 | -14 |
| CURRENCY (\$) | | | |
| INDIAN (Rupee) | 82.04 | 82.04 | 0 |
| PAK (Pakistani Rupee) | 286.498 | 286.495 | -0.003 |
| CNY (Chinese yuan) | 7.17985 | 7.25355 | 0.0737 |
| BRAZIL (Real) | 4.78306 | 4.78973 | 0.00667 |
| AUSTRALIAN Dollar | 1.49706 | 1.50091 | 0.00385 |
| MALAYSIAN RINGGITS | 4.67646 | 4.66747 | -0.00899 |
| COTLOOK "A" INDEX | | | |
| COTLOOK "A" INDEX | 91.7 | 88.9 | -2.8 |
| BRAZIL COTTON INDEX | | | |
| BRAZIL COTTON INDEX | 79.92 | 74.85 | -5.07 |
| USDA SPOT RATE | | | |
| USDA SPOT RATE | 74.37 | 76.12 | 1.75 |
| MCX SPOT RATE | | | |
| MCX SPOT RATE | 56780 | 55660 | -1120 |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | | | |
| KCA SPOT RATE (PAKISTAN) | 18700 | 17500 | -1200 |
| GOLD (\$) | | | |
| GOLD (\$) | 1930.30 | 1927.8 | -2.5 |
| SILVER (\$) | | | |
| SILVER (\$) | 22.457 | 22.755 | 0.298 |
| CRUDE (\$) | | | |
| CRUDE (\$) | 69.5 | 70.45 | 0.95 |

In the last week of June, there was a boom in the international cotton market. Cotton prices for the months of July 23, December 23 and March 24 on the International Cotton Exchange are up to 4.78, 1.70 and 1.37 cents.

In the Indian market, stability was seen in the price of cotton on the Multi Commodity Exchange (MCX). The bargain price for the month of July increased by Rs. 140 per candy to reach Rs. 55,400.

Cotton prices on NCDX also declined by Rs. 9 per 20 kg this time, while the prices of Khal fell by Rs. 4 and Rs. 14 per quintal for the months of July and August respectively.

Looking at the exchange market of other countries, the Cotlook "A" index declined by 2.80 points, the Brazil Cotton Index declined by 5.07 points, and the MCX spot rate declined by 1,120 points. With this, there has been an increase of 1.75 on the USDA spot rate. At the KCA spot rate of Pakistan, prices fell by Rs 1,200 by the end of the week.

"Cotton bollworm menace worries Punjab, more than 4,000 hectares affected"



A detailed field survey by the Punjab Agriculture Department has said that early sowing of cotton in 2% of the total area under cotton in various districts is putting a provisional area of 1.75 lakh hectares at risk of infection with the deadly pink bollworm this year.

Experts said untimely rains with the onset of summer this year provided suitable breeding and feeding grounds for the pest.

The next three weeks are critical for farmers to use the recommended steps to detect pest populations and check for any widespread infestations. PBW has surfaced in limited locations, but it can spread rapidly and potentially threaten crops in other areas if pest control management is not executed effectively, he says.

This year, a section of farmers from vulnerable areas of Punjab started sowing 'white gold' as early as March 28, much before the recommended sowing time of April 15 to May 15, agriculture officials said. The pest attacks cotton plants at flowering stage in mid-July and PBW is already visible, posing a risk of infection to other fields.

State agriculture director Gurvinder Singh, who made an extensive tour of cotton-growing districts this week, said the current situation was not alarming and farmers were advised to use recommended sprays to control the pest population.

The director said that unlike last season, whitefly has not been detected this year and cotton growers have been advised to be vigilant.

Field surveys revealed impressive plant health. "In 2022, most of the plant growth had stopped, but this time farmers are following an advisory to provide enough nutrients to the crop. This trend may help in reducing the adverse effects of pests," he said.

Punjab saw the first appearance of PBW in 2020 on about 100 acres of land at Jodhpur Romana in Bathinda. The following year, the pest severely affected other districts and in 2022, whitefly and PBW ravaged cotton production in Punjab

In the current kharif season, the traditional crop area in Punjab has come down to 1.75 lakh hectares and farmers have suffered heavy losses due to pest attack, which is responsible for the lowest acreage ever.

Vijay Kumar, principal entomologist at Ludhiana-based Punjab Agricultural University (PAU), said early sowing of cash crops in such areas has been observed for the first time and is a cause of concern for pest attack, accompanied by prolonged wet and humid conditions and when the cotton plants reached the flowering stage.

The expert said the bollworm is affecting only those fields from where last year's residues were not cleared as advised and making other areas vulnerable to pest infestation.

"Bollworm is a deadly pest which appears in cotton plant at flowering stage, 65-70 days after sowing. It is monophagous or feeds only on cotton plants and affects the plant at flowering stage. Now farmers will have to work harder to control the pest population till mid-July when timely sown plants will enter flowering stage," said the expert.

SK Verma, head of Sirsa-based Central Institute of Cotton Research (CICR), said uniformity in sowing helps in effective pest management and farmers should strictly follow the recommended sowing time. "Bollworm infestation can be easily detected in the field by pheromone traps that catch male insects and an advisory has been issued to the farmers of Punjab in this regard," he added.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Agriculture Minister said, Punjab transferred ₹ 3.23 crore cotton seed subsidy to 17 thousand farmers

Minister Gurmeet Singh Khudian informed that fulfilling the state government's promise of providing 33% subsidy on cotton seeds certified by Punjab Agricultural University (PAU), the department has transferred the funds through DBT system.

Punjab: Rain problem for cotton growers, paddy farmers hope for relief

The area was flooded due to a breach in the Ramsara Minor (tributary) last night. About 50 acres of cotton crop was submerged between Bhagu and Wahabwala villages.

China is preparing to sell cotton from reserves due to supply concerns.

China is planning to release cotton from state reserves to boost supplies, people familiar with the matter said, underscoring concerns that the crop slated to be harvested later this year has been hit by bad weather.

Opt for e-NAM facility to sell cotton, agriculture department officials tell Tamil Nadu farmers

Ramanathapuram: As the price of cotton has come down, agriculture department officials have suggested that farmers sell their produce through the e-NAM facility for better returns.

New trouble after Rs 15 price hike under the guise of BIS. Foreign yarn companies not registered with BIS, import stopped from 3rd

BIS mark is being made mandatory on yarn from 3rd July and the price of yarn is likely to increase again, due to which there are rumors of price hike. It was also stated by various organizations that preparation was necessary before the yarn was brought under the purview of BIS.

Cotton physical market remained stable in the last week of June.

This week has been a stable one for the cotton physical market. In all the three zones North, Central and South, there was some fall in cotton prices and some rise was seen. North Zone Punjab, Haryana and Rajasthan showed stability.

In the state of Madhya Pradesh, the maximum increase of Rs 800 per candy was seen in the central zone. While Gujarat is stable and cotton prices are high in Madhya Maharashtra up to Rs 500 per candy.

In the south zone, there was an increase and somewhere there was a decline. Andhra Pradesh and Odisha declined the most by Rs 2,000 and Rs 1,200 per candy respectively while cotton prices increased by Rs 500 to Rs 800 per candy in Karnataka and Telangana.

| SMART INFO SERVICES | | india.smartinfo@gmail.com | | Call : 91119 77771 - 5 | | DATE: 01.07.2023 |
|--|---------------|---------------------------|--------|------------------------|--------|------------------|
| WEEKLY COTTON BALES MARKET | | | | | | |
| STATE | STAPLE LENGTH | 26.06.23 | | 01.07.23 | | AVERAGE PRICE |
| | | LOW | HIGH | LOW | HIGH | |
| NORTH ZONE | | | | | | |
| PUNJAB | 28.5 | 5,800 | 5,900 | 5,800 | 5,900 | 0 |
| HARYANA | 27.5/28 | 5,550 | 5,650 | 5,550 | 5,650 | 0 |
| UPER RAJASTHAN | 28 | 5,900 | 6,000 | 5,900 | 6,000 | 0 |
| CENTRAL ZONE | | | | | | |
| GUJARAT | 29 | 55,500 | 56,000 | 55,400 | 56,000 | 0 |
| MADHYA PRADESH | 29 | 54,500 | 55,000 | 55,300 | 55,800 | 800 |
| MAHARASHTRA | 29 vid. | 54,500 | 55,500 | 55,000 | 56,000 | 500 |
| SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 | | | | | | |
| SOUTH ZONE | | | | | | |
| ODISHA | 29.5 | 58,200 | 59,300 | 58,000 | 58,100 | -1,200 |
| KARNATAKA | 29.5/30 mm | 55,000 | 55,500 | 55,000 | 56,000 | 500 |
| ANDHRA PRADESH | 29/29.5 mm | 57,000 | 58,000 | 56,000 | 56,000 | -2,000 |
| TELANGANA | 29 mm 75 RD | 54,800 | 55,200 | 55,800 | 56,000 | 800 |
| NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality. | | | | | | |
| Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy | | | | | | |